Jovethy du di)

Jovethy du di

Jov

New Delhi, the 20th December, 1969

NOTIFICATION

5 .- In exercise of the powers conferred by section 2 of the Union Territories (Laws) Act, 1950 (30 of 1950), and in continuation of the notifications of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S. R. O. 1223, dated the 12th April, 1957, and G. S. R. 1298, dated the 4th September, 1965, the Central Government hereby further extends to the Union territory of Delhi section 151 A of the Bombay Police Act, 1951 (Bombay Let No. VVII. of 1951) Act No. XXII of 1951), as in force in the State of Maharashtra at the date of this notification.

ANNEXURE

Section 151A of the Bombay Police Act, 1951, as in force in the State of Maharashtra, as extended to the Union territory of Delhi.

151 A .- Summary disposal of certain cases .- (1) A Court taking cognizance of an offence punishable under section 117, or under paragraph (iii), (iv) or (v) of section 131, may state upon the summons to be served on the accused person that he may, by a specified date prior to the hearing of the charge plead guilty to the charge by registered letter and remit to the Court such sum, not exceeding twenty-five rupees, as the Court may specify.

(2) Where an accused person pleads guilty and remits the sum specified, no further proceedings in respect of the offence shall be taken against him,

[No.F.3/4/69_UTL] _ 108

Deputy Secretary to the Government of India

No.F.3/4/69-UT, New Delhi-1, / December, 1969

Copy with a copy of the Hi-ndi version of the notification forwarded to:-



1. Secretary (Law & Judicial), Delhi Administration with reference to his letters No.F.1/10/69-Law dated the 12th November, 1969 and 16th December, 1969 respectively.

- 2. Ministry of Law (Leg. Department) New Delhi with reference to their U.O. No. 2001/69-SRO dated the 17th May, 1969.
- 3. Copy with one spare copy to the Ministry of Law (Trans. I Section) Bhagwan Dass Road, New Delhi.
- 4. Copy to Delhi/THS Sections.

Deputy Secretary to the Government of India

Gupta/-

(मार्त के राजपत्र, भाग 1, रूण्ड 3(1) में क्लारनार्थ) संस्था फाo 314169-यू टो स्ल

(hg) 28

भारत सर्कार, गृह मंत्रालय

नह दिलो-1, दिनाक // दिसम्बर, 1969 अधिसूचना

साठ काठ निठ संघ राज्यकेत्र (विध्यां) बिरिनियम, 1950 (1950 का 30) की घारा 2 द्वारा प्रवच शिक्तियों का प्र्योग करते हुए और मारत सरकार के गृह मंत्रालय की बिध्सूचनाओं संठ काठ निठ बाठ 1223, तारीख 12 अप्रैल, 1957 विर साठ का निठ 1298 तारीख 4 सितम्बर, 1965 के कुम में, केन्द्रीय सरकार मुम्बई पुलिस अधिनियम, 1951 (1951 का मुम्बई अधिनियम संठ 22), जैसा कि वह इस अधिसूचना को तारीख को महाराष्ट्र राज्य में प्रवृत्त है, की घारा 151 के स्वद्दारा दिल्लो के संव राज्य दोन्न पर और बागे विस्तार करती है।

उपाबँघ

मुम्बई पुलिस अविनियम, 1951, जैसा कि वह महाराष्ट्र राज्य में प्रवृत्त है, की विल्ली के सर्थ राज्यदोत्र पर यथा विस्तार्ति, बारा 151 क

151 क - कतिपय मामलों का संज्ञिप्त निपटारा -(।) घारा 117 के अधोन या घारा 131 ने पैरा (।।।),

(iv) या (v) के अधीन दंसीय किसी अपराध का संज्ञान करने वाला न्यायालय अभियुक्त व्यक्ति पर तामील किए जाने वाले समन पर यह कथित कर सकेगा कि अभियुक्त आरोंप की सुनवाई से पूर्व वाली विनि दिंष्ट तारील तक रिजस्ट्रोकृत पत्र द्वारा आरोंप के लिए दोषो होने का अभिवचन कर सकता है और न्यायालय को प्लोस रापए से अन धिक को ऐसी राशि मेंज सकता है जो न्यायालय विनि दिष्ट करें।

(2) जहाँ अभियुक्त व्यक्ति दौषी होने का अभिवनन को और विनिर्दिष्ट राशि मेज दे, वहाँ अपराध के संबंध में उसके विरुद्ध और आगे कोई कार्यवाहो नहों को जास्मी।

(संक्षा 314169-युवरीवस्त्र)

(पीo स्न० औल) उप सचिव, भारत सरकार

महापूब-चक, भारत सरकार मुद्रणालय, चेन विंग. नहीं दिल्ली।